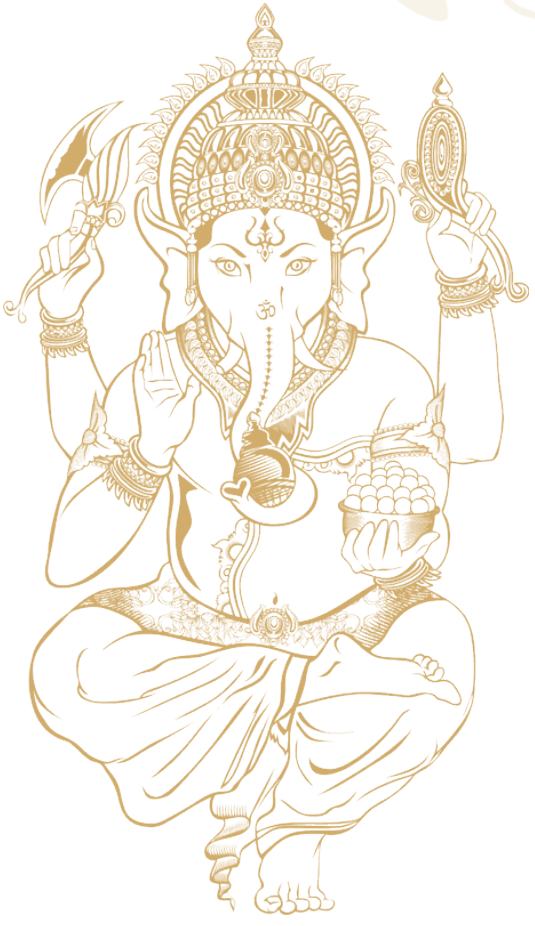

Tanuj

27 Jan 2005

08:08 PM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121854308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/01/2005**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:08:00 घंटे**
इष्ट	32:05:12 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:40:00 घंटे
वेलान्तर	-00:12:46 घंटे
साम्पातिक काल	04:07:54 घंटे
सूर्योदय	07:17:55 घंटे
सूर्यास्त	18:03:55 घंटे
दिनमान	10:46:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:50:16 मकर
लग्न के अंश	11:23:02 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:23:02	315:11:31	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			मक	13:50:16	01:00:57	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	07:42:11	12:06:13	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	28:55:14	00:42:05	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध		अ	मक	01:54:06	01:34:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु			कन्या	24:53:19	00:01:03	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	28:30:09	01:15:09	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
शनि	व		मिथु	28:50:54	00:04:41	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		मेष	02:04:41	00:11:11	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	02:04:41	00:11:11	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	11:13:37	00:03:09	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	20:52:31	00:02:16	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	29:40:53	00:01:45	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			वृष	10:02:33	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:34

लग्न-चलित

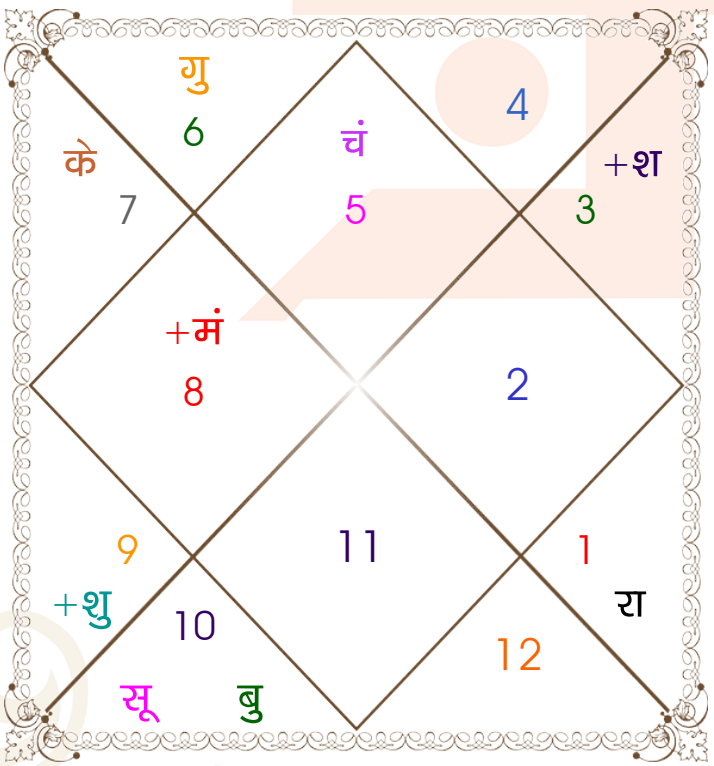

चन्द्र कुंडली

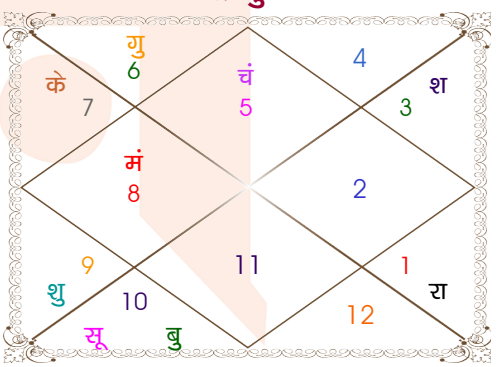

नवमांश कुंडली

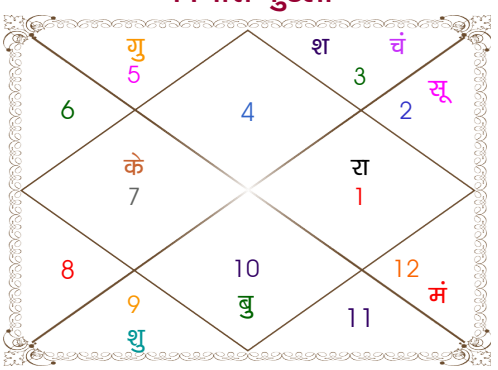

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 11 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/01/2005		12/01/2008		12/01/2028		11/01/2034		12/01/2044	
12/01/2008		12/01/2028		11/01/2034		12/01/2044		12/01/2051	
	00/00/0000	शुक्र	13/05/2011	सूर्य	01/05/2028	चंद्र	12/11/2034	मंगल	09/06/2044
	00/00/0000	सूर्य	13/05/2012	चंद्र	30/10/2028	मंगल	13/06/2035	राहु	28/06/2045
	00/00/0000	चंद्र	11/01/2014	मंगल	07/03/2029	राहु	12/12/2036	गुरु	04/06/2046
	00/00/0000	मंगल	14/03/2015	राहु	30/01/2030	गुरु	13/04/2038	शनि	13/07/2047
	00/00/0000	राहु	13/03/2018	गुरु	18/11/2030	शनि	12/11/2039	बुध	10/07/2048
	27/01/2005	गुरु	11/11/2020	शनि	31/10/2031	बुध	13/04/2041	केतु	06/12/2048
गुरु	06/12/2005	शनि	12/01/2024	बुध	05/09/2032	केतु	12/11/2041	शुक्र	05/02/2050
शनि	15/01/2007	बुध	12/11/2026	केतु	11/01/2033	शुक्र	13/07/2043	सूर्य	13/06/2050
बुध	12/01/2008	केतु	12/01/2028	शुक्र	11/01/2034	सूर्य	12/01/2044	चंद्र	12/01/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/01/2051		11/01/2069		11/01/2085		13/01/2104		12/01/2121	
11/01/2069		11/01/2085		13/01/2104		12/01/2121		00/00/0000	
राहु	24/09/2053	गुरु	01/03/2071	शनि	15/01/2088	बुध	11/06/2106	केतु	10/06/2121
गुरु	17/02/2056	शनि	12/09/2073	बुध	24/09/2090	केतु	08/06/2107	शुक्र	10/08/2122
शनि	24/12/2058	बुध	19/12/2075	केतु	03/11/2091	शुक्र	08/04/2110	सूर्य	16/12/2122
बुध	13/07/2061	केतु	24/11/2076	शुक्र	03/01/2095	सूर्य	12/02/2111	चंद्र	17/07/2123
केतु	31/07/2062	शुक्र	26/07/2079	सूर्य	16/12/2095	चंद्र	14/07/2112	मंगल	14/12/2123
शुक्र	31/07/2065	सूर्य	13/05/2080	चंद्र	16/07/2097	मंगल	11/07/2113	राहु	31/12/2124
सूर्य	25/06/2066	चंद्र	12/09/2081	मंगल	25/08/2098	राहु	28/01/2116	गुरु	28/01/2125
चंद्र	25/12/2067	मंगल	19/08/2082	राहु	02/07/2101	गुरु	05/05/2118		00/00/0000
मंगल	11/01/2069	राहु	11/01/2085	गुरु	13/01/2104	शनि	12/01/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 11 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।